सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 306 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 13 दिसम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

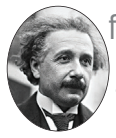

जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं कि उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।

-अल्बर्ट आइंस्टीन

अनुप्रिया पटेल के बगावती तेवर से लखनऊ से... 8 | उत्तराखंड के चुनावी मैदान में... 3 | टीकरी बॉर्डर से लौटे किसान... 7

चुनाव से पहले महादेव के दरबार से मोदी ने दी हिंदुत्व को धार

- अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास के बाद श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का पीएम ने किया लोकार्पण
- गंगा में लगाई डुबकी, विधि विधान से किया बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक
- पूर्वांचल को साधने समेत पूरे प्रदेश को दिया सियासी संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। यूपी विधान सभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज काशी में महादेव के दरबार से हिंदुत्व को नयी धार दी है। भव्य आयोजन के बीच पीएम मोदी ने न केवल गंगा में डुबकी लगायी बल्कि कलश में गंगाजल लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे और भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक और पूजन किया। उन्होंने भव्य श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण किया। माना जा रहा है कि चुनाव से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने न केवल अपने संसदीय क्षेत्र काशी में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार और विस्तार कर पूर्वांचल को साधने की कोशिश की बल्कि इसके जरिए उन्होंने पूरे प्रदेश में एक सियासी संदेश भी दिया।

प्रदेश में सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा फिर हिंदुत्व की राह पर चलती दिख रही है। हिंदुत्व को धार देने के लिए भाजपा लगातार राम मंदिर के निर्माण और अब श्री काशी विश्वनाथ धाम के पुनर्निर्माण को लेकर जनता के बीच जा रही है। यही नहीं मथुरा का मुद्दा भी भाजपा ने उठाया है। किसान आंदोलन, महंगाई और कानून व्यवस्था समेत तमाम मुद्दों को लेकर विपक्ष के निशाने पर रही भाजपा की नैया यूपी में पार लगाने के लिए खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोर्चा संभाल लिया है।

चुनाव से पहले श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण कर प्रधानमंत्री ने हिंदुत्व को धार दी। काशी का मिजाज पूर्वांचल की सियासत पर प्रभाव डालती है। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन किया था। प्रधानमंत्री मोदी आज विशेष विमान से वाराणसी पहुंचे और 700 करोड़ की लागत से बने कॉरिडोर का लोकार्पण किया। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि काशी पहुंचकर अभिभूत हूं। इस मौके पर आस्था का सैलाब उमड़ा रहा।

कारीगरों पर पुष्प वर्षा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार और कॉरिडोर का निर्माण करने वाले लोगों पर न केवल पुष्प वर्षा की बल्कि उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाई।

काशी में केवल डमरू वाले की सरकार: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि श्री काशी विश्वनाथ धाम केवल भवन नहीं है यह प्रतीक है सनातन धर्म और संस्कृति का। ये भारत की ऊर्जा और गतिशीलता का प्रतीक है। यह प्रतीक है धर्म के गौरव का। यहां प्राचीनता और नवीनता के दर्शन होते हैं। काशी में एक ही सरकार है। यहां डमरू वाले बाबा की सरकार है। औरंगजेब ने अपनी कट्टरता से भारतीय संस्कृति को कुचलने की कोशिश की लेकिन काशी ने मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने काशीवासियों से तीन संकल्प स्वच्छता, सृजन और आत्मनिर्भर भारत बनाने के प्रयास पूरे करने की मांग की।

241 साल बाद बाबा के धाम को मिला नया स्वरूप

गंगा तट से मंदिर के गर्भगृह तक बने श्री काशी विश्वनाथ धाम का यह नया स्वरूप 241 साल दुनिया के सामने आ रहा है। इतिहासकारों के अनुसार श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पर वर्ष 1194 से लेकर 1669 तक कई बार हमले हुए। 1777 से 1780 के बीच मराठा साम्राज्य की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था। ढाई दशक बाद पीएम मोदी ने आठ मार्च 2019 को मंदिर के इस भव्य दरबार का शिलान्यास किया था।

अखिलेश ने साधा निशाना, कहा, सपा सरकार के समय हुई थी कॉरिडोर की शुरुआत

श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट किया, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की क्रोनोलॉजी: सपा सरकार में करोड़ों का आवंटन हुआ। सपा सरकार में कॉरिडोर के भवनों का अधिग्रहण शुरू हुआ। मंदिरकर्मियों के लिए मानदेय तय किया गया। उन्होंने आगे लिखा कि 'पैदलजीवी' बताएं कि सपा सरकार के वरुणा नदी के स्वच्छता अभियान को क्यों रोका और मेट्रो का क्या हुआ?

सांसदों के निलंबन पर नहीं टूटा गतिरोध, राज्य सभा में हंगामा

- निलंबन वापस करने को लेकर अड़े विपक्षी दल
- संसद पर आतंकी हमले की बरसी पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 12 सांसदों के निलंबन का मामला थमता नहीं दिख रहा है। निलंबन को वापस करने की मांग को लेकर विपक्ष ने राज्य सभा में आज फिर हंगामा किया। हंगामे के चलते राज्य सभा की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित की गयी। इसके अलावा संसद भवन पर 2001 में हुए कायराना आतंकी हमले की 20वीं बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

राज्य सभा में जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई विपक्षी सांसदों ने निलंबन को वापस करने की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष के हंगामे के चलते राज्य सभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। वहीं सत्ता पक्ष का कहना है कि सांसद अगर माफी मांग लें तो उनके निलंबन वापसी पर विचार किया जा सकता है। हालांकि विपक्ष माफी की मांग पहले ही नकार चुका है। इसके पहले उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य सांसदों ने 2001 के संसद हमले में अपनी जान गंवाने वाले सुरक्षा कर्मियों को श्रद्धांजलि दी। वहीं राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि 12 सांसदों के निलंबन का मुद्दा संसद में उठाया गया। निलंबन वापस लिया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर विपक्षी दलों के फ्लोर नेताओं की बैठक की। वहीं आज लोकसभा में एनडीपीएस एक्ट संशोधन विधेयक पर चर्चा हो सकती है। इसके अलावा राज्यसभा में केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश (वेतन और सेवा की शर्तें) संशोधन विधेयक पेश कर सकते हैं।

मैदान से पहाड़ तक लहराएगा भगवा : केशव प्रसाद मौर्य

» हरिद्वार में यूपी के डिप्टी सीएम ने कहा, उत्तराखंड में भी बनेगी हमारी ही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज से आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा साधु संत सनातन धर्म की ध्वजा के वाहक हैं। संत निर्मल हृदय के होते हैं। उन्होंने कहा स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज से आशीर्वाद लेकर वह आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटेंगे। कनखल स्थित जगद्गुरु आश्रम पहुंचे केशव प्रसाद मौर्य ने शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज को शॉल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। महाराज श्री ने भी डिप्टी सीएम को शॉल एवं रुद्राक्ष की माला भेंट की।

इस दौरान केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि स्वामीजी महान संत हैं। महाराज श्री किसी भी प्रकार की भव्यता से दूर रहते हैं। हर समय समाज की चिंता में लगे रहते हैं। ऐसे संत से मिलना उनका सौभाग्य है। वह काफी समय से मिल नहीं पाए थे। इसलिए गुरुवार को महाराज श्री से मिलने के लिए पहुंचे और आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा संतों का

आशीर्वाद हर संकट का समाधान करता है। साधु-संत गृहस्थ जीवन और अपने परिवार का त्याग कर जीव जगत के कल्याण एवं सेवा में जीवन पर्यंत योगदान देते हैं। महाराजश्री के आशीर्वाद से 2022 के विधानसभा चुनावों में भी भाजपा को विजयश्री प्राप्त होगी। उन्होंने कहा उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवस्थानम बोर्ड भंग कर संतों व तीर्थ पुरोहितों का आदर किया है। उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी हमेशा से ही साधु-संतों व तीर्थ पुरोहितों और भारतीय सभ्यता का आदर सत्कार करती है। उनके हितों के लिए हमेशा संघर्ष भी करती है। ताकि उन पर कोई आंच न आए।

यूपी में भी मिलेंगी 300 से ज्यादा सीट

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मैदान से लेकर पहाड़ तक संतों के आशीर्वाद से भगवा लहराएगा। उन्होंने कहा यूपी में भाजपा को 300 से अधिक सीट मिलेंगी। उत्तराखंड में भी भाजपा की सरकार बनेगी। धर्मनगरी में संतों का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बीजेपी उत्तर प्रदेश में योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी और रिकार्ड सीटों से जीतेगी भी। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखते रहें, लेकिन यूपी में 300 से ज्यादा सीटों के साथ दोबारा से भाजपा सरकार बनने जा रही है। विधानसभा चुनाव के मुद्दों, बीजेपी सरकार की उपलब्धियों और चुनाव से जुड़े कई मुद्दों पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आम आदमी पार्टी उत्तराखंड की जनता को धार्मिक यात्राओं व फ्री बिजली, पानी देने जैसे वायदे कर रही है। मगर जहां आप की सरकार है उस दिल्ली में आज भी बरसात होते ही सड़कों पर नाव चलाकर लोगों को पार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यूपी में इस समय गुंडागर्दी पूरी तरह से खत्म है। जो भी गुंडागर्दी करता है। उसका हाल सबको मालूम है।

हमारी सरकार में रखा गया था किसानों का ध्यान : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानून को वापस लेने के बाद किसानों का आंदोलन भी समाप्त हो गया है, लेकिन इसको लेकर राजनीति अभी भी जारी है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दो ट्वीट में अपनी सरकार के कार्यकाल को किसानों के लिए सबसे बेहतर बताया।

मायावती ने कहा प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की सरकार में नहीं बल्कि उससे पहले की रही सरकारों के समय से ही यहां काफी चीनी मिलें बंद चल रही थीं। मायावती ने कहा कि बाद में उन्हीं में से कुछ चीनी मिलें हटाई गईं। इन सब प्रकरण को लेकर बसपा पर जबरदस्ती पूर्व की सरकारों की कमियां थोपना ठीक नहीं है। मायावती ने कहा, अभी हाल ही में बुंदेलखण्ड में यूरिया की कमी को किसान सड़कों पर उतरे। उन्होंने कहा कि वहां पर जो किसान सड़कों पर उतरे, उसे भी दूसरों पर थोपना उचित नहीं है। मायावती ने कहा बीएसपी की सरकारों में किसानों का हर मामले में पूरा-पूरा ध्यान रखा गया था, जिसे किसान भूले नहीं हैं।

पिछली सरकारों में जनता को नहीं मिला योजनाओं का लाभ : स्वामी प्रसाद मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में नवयुगल को आशीर्वाद देने आए श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि श्रमिक राष्ट्र का निर्माता है, तो वह अभाव में क्यों रहना चाहिए। इसलिए सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनको लाभ पहुंचा रही है, तो आर्थिक समृद्ध बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। श्रमिकों के बच्चों को पढ़ाने और सशक्त बनाने के लिए निशुल्क व्यवस्था है, तो उनको साइकिल भी उपलब्ध कराई जा रही है।

सपा सरकार में साइकिल तो बांटी गई, लेकिन अपने कार्यकर्ताओं को ही उपलब्ध कराई गई। बची हुई लाल टोपी वाले उठा ले जाते थे। इस अवसर पर 2932 जोड़ों के विवाह और निकाह हुआ। साथ ही श्रमिकों के दो हजार बच्चों को साइकिल देने की व्यवस्था थी, जिसमें से 300 बच्चों को श्रम मंत्री ने हरी झंडी दिखाई। कोठी मीना बाजार मैदान में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में श्रम मंत्री ने कहा कि श्रमिकों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए हर संभव प्रयास हो रहा है। आप श्रमिक बने ये आपकी मजबूरी थी, लेकिन आपके बच्चे उच्च शिक्षा ग्रहण करें इसके लिए हमें और आपको दोनों को प्रयास करने होंगे। श्रम मंत्री मौर्य ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ हर वर्ग को लाभ पहुंचा रहे हैं। उज्जवला योजना के माध्यम से घर-घर गैस पहुंचाई है, तो आवास भी उपलब्ध कराए हैं। किसानों को समृद्ध बनाने के लिए भी विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं, तो कृषि यंत्रों पर सब्सिडी दी जा रही है। स्वामी प्रसाद ने कहा भाजपा सरकार में गरीब खुश है। गरीबों को हर योजनाओं का पूरा लाभ मिल रहा जबकि पिछली सरकार में दुखी थे।

नोएडा में सपा को मिला ब्राह्मण चेहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। शहर के सेक्टर, सोसायटी की समस्या को उठाने वाली संस्था आरडब्ल्यूए का प्रतिनिधित्व कर रही फेडरेशन आफ नोएडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में समाजवादी पार्टी (सपा) का दामन थाम लिया। उन्हें सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी की सदस्यता दिलाई है।

फोनरवा अध्यक्ष के सपा में शामिल होने के बाद नोएडा विधानसभा सीट से उनकी दावेदारी की चर्चा तेज हो गई है। इस सीट पर अबतक सपा का खाता नहीं खुला है। करीब चार माह पहले फोनरवा चुनाव में योगेंद्र शर्मा लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बने थे। उनके पैनल ने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (डीडीआरडब्ल्यूए) के अध्यक्ष एनपी सिंह के पैनल को पराजित किया था। योगेंद्र शर्मा और उनके पैनल में शामिल पदाधिकारी लगातार नोएडा प्राधिकरण, जनप्रतिनिधि और सरकार के समक्ष सेक्टरों के निवासियों की समस्या को उठाते रहे हैं।

कांग्रेस में इस बार कोरी घोषणाएं नहीं, हर वर्ग के मुद्दों को टटोलने की कवायद शुरू

» जनता से संवाद स्थापित कर टटोले जा रहे मुद्दे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। 2022 के विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी अपने घोषणा पत्र को जनता के बीच रखने से पहले इस पर जोर-शोर से कार्य कर रही है। पार्टी की मानें तो उनका चुनाव घोषणा पत्र मात्र औपचारिकता नहीं, बल्कि इसमें लिखी एक-एक बात कांग्रेस की प्रतिज्ञा होगी, जिसका पालन राज्य में बनने वाली कांग्रेस सरकार करेगी। इसके लिए पार्टी ने बाकायदा मैनिफेस्टो कमेटी का गठन किया है, जिसकी अब तक सात बैठकें हो चुकी हैं। कमेटी 15 दिसंबर तक आमंत्रित सुझावों को घोषणा पत्र के मसौदे में शामिल करेगी।

इस दौरान जहां पार्टी के नेता लगातार गांव-गांव, घर-घर पहुंच रहे हैं। वहीं पदयात्रा, प्रभातफेरी, चौपाल, परिचर्चा, गोष्ठी आदि के माध्यम से भी जनता से संवाद स्थापित कर घोषणापत्र में शामिल किए जाने वाले मुद्दे टटोले जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में जो विचार और सुझाव राज्य और समाज के व्यापक हित में जनता से मिल रहे हैं, उन मुद्दों और सुझावों को पार्टी अपने घोषणा पत्र में शामिल करेगी। जनता की अपेक्षाओं को

जानने और उन्हें अपने घोषणा पत्र में शामिल करने के लिए पार्टी संचार के आधुनिक साधनों, फेसबुक, व्हाट्सएप, ईमेल, ऑनलाइन चर्चाओं का भी सहारा ले रही है। इसके अलावा समाज के विभिन्न वर्गों, बुद्धिजीवी, कर्मचारी, पर्यावरणविदों, युवा, महिला समूहों से सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। जबकि मैनिफेस्टो कमेटी प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, चुनाव अभियान समिति व उप नेता विधानमंडल दल समेत सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, सांसद एवं विधायक प्रत्याशी, जिला, महानगर, ब्लॉक अध्यक्षों से सुझाव आमंत्रित कर चुकी है। इसके अलावा 13 जनपदों के लिए 13 प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।

अपराधियों को जनता की गाढ़ी कमाई हड़पने नहीं देगी योगी सरकार : पाठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक ने अखिलेश यादव पर बड़ा हमला बोला है। पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गुंडे-बदमाशों और लुटेरों को बढ़ावा देने वाला गिरोह है। उन्होंने कहा अखिलेश यादव को अपनी पार्टी की पुरानी परिपाटी के मुताबिक अपराधी व माफिया ही पसंद हैं। वास्तव में समाजवादी पार्टी का नाम माफियावादी पार्टी हो जाना चाहिए।

पाठक पूर्वांचल के माफिया, गोरखपुर के गोरखनाथ थाने के हिस्ट्रीशीटर एवं पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारीके कुनबे (विधायक विनय शंकर तिवारी, पूर्व सांसद भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी व विधान परिषद के पूर्व सभापति गणेश शंकर पांडेय) के सपा में

शामिल होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने कहा हरिशंकर तिवारी और उनके कुनबे के इतिहास और कारनामों से जनता भली-भांति वाकिफ है। पूर्वांचल में इस परिवार के आवास को जिस हाता के नाम से जाना जाता है, उसे लोग अपराध की नर्सरी भी समझते रहे हैं। पाठक ने कहा ये माफिया चाहे किसी भी दल में जाकर पनाह मांगें, केंद्र व यूपी सरकार किसी भी अपराधी को जनता की गाढ़ी कमाई हड़पने नहीं देगी।

काली टोपी वालों का दिल भी काला, बचकर रहें इनसे : आजमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने कहा कि लाल टोपी बीजेपी के लिए रेड अलर्ट है। काली टोपी वालों का दिल भी काला है। उन्होंने कहा कि भारत सभी का है। भाजपा और आरएसएस धार्मिक उन्माद फैलाकर हिंदू, मुस्लिम के बीच दूरियां पैदा कर रहे हैं। लेकिन जनता हकीकत जान गई है।

गांधी भवन में सपा कार्यकर्ता मेहराज की ओर से आयोजित अल्पसंख्यक समाज के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध पांच अंगुलियों की तरह हैं। एक का नुकसान होने पर दर्द पूरे हाथ में होता है। इसलिए सपा सभी को बराबर सम्मान और हक देने की पक्षधर है। भाजपा सरकार में अल्पसंख्यक समाज के साथ अन्याय हुआ है। भाजपा ने जनता के दिल में जहर घोलने का काम किया है। संडीला में उन्होंने कहा दोगुना राशन देकर सरकार मतदाताओं को प्रलोभन दे रही है, लेकिन इससे कुछ होने वाला नहीं। लाखों लोगों को रोजगार देने का वादा भाजपा ने किया था, लेकिन नौकरी नहीं दे पाए।

उत्तराखंड के चुनावी मैदान में माहौल गरमाने आएंगे अखिलेश यादव

पार्टी को देंगे जीत का मंत्र, कार्यकर्ताओं से करेंगे संवाद

कर सकते हैं प्रदेश से जुड़ी कई अहम घोषणाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के बाद उत्तराखंड के चुनावी मैदान में अपनी जीत की संभावनाएं बढ़ाने के लिए समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के नेता भी आने वाले हैं। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी महीने दोनों पार्टियों के नेता उत्तराखंड आएंगे। चार दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी देहरादून के परेड ग्राउंड में रैली कर चुनावी माहौल बनाने की शुरुआत कर दी। अब कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की 16 दिसंबर को परेड ग्राउंड में रैली करने जा रहे हैं। इस बीच, समाजवादी पार्टी ने भी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के उत्तराखंड दौरे की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

पार्टी के अध्यक्ष डॉ. एसएन सचान ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष इसी महीने पहले देहरादून में रैली करेंगे। इस दौरान वह उत्तराखंड प्रदेश से जुड़ी कई अहम घोषणाएं भी करेंगे। इसके बाद वह कुमाऊं में रैली करेंगे। जल्द ही रैली की तिथियां जारी कर दी जाएंगी। वहीं पूर्व सीएम हरीश रावत व पार्टी अध्यक्ष गणेश गोदियाल से तनातनी के बीच किशोर उपाध्याय लखनऊ पहुंच गए।

यहां उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। उनकी इस मुलाकात के साथ ही भाजपा के बजाए अब सपा में उनके जाने का शोर उठने लगा है। सपा के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं वनाधिकार आंदोलन के प्रणेता किशोर उपाध्याय ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। उन्होंने गंगा-यमुना एवं हिमालय को बचाने व वनवासियों को वनों पर उनके पुश्तैनी अधिकार दिलाने आदि मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने इस संबंध में ज्ञापन भी दिया। उपाध्याय ने अखिलेश यादव से संसद के वर्तमान सत्र में इन मुद्दों को उठाने का आग्रह करते हुए कहा कि इस सद्प्रयास के लिए उन्हें सभी साधुवाद देंगे।

मायावती भी करेगी उत्तराखंड का दौरा

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बसपा सुप्रीमो मायावती के भी उत्तराखंड दौरे की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पार्टी के पश्चिमी यूपी-उत्तराखंड प्रभारी शम्सुद्दीन राइन ने बताया कि दस दिन के भीतर बसपा सुप्रीमो के उत्तराखंड दौरे की तिथियां तय हो जाएंगी।

मैदानी जिलों में तलाश रहे वोटबैंक

यूपी की सियासत में दम दिखा चुकी सपा-बसपा उत्तराखंड के मैदानी जिलों के वोटरों को लुभाने का प्रयास कर रही हैं। दोनों ही पार्टियां वैसे तो सभी विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी उतारने का दावा कर रही हैं लेकिन अंदरखाने फोकस मैदानी जिलों पर ही है। इसके लिए खास रणनीति बनाकर काम किया जा रहा है। गौरतलब है कि बसपा का पहले हरिद्वार में अच्छे प्रदर्शन का इतिहास रहा है।

सपा में शामिल हो सकते हैं किशोर उपाध्याय

किशोर उपाध्याय ने अखिलेश यादव को ज्ञापन देकर मांग की कि जल-जंगल और जमीन पर स्थानीय समुदायों का अधिकार हो और उन पर उनके पुश्तैनी अधिकार और हक-हकूक बहाल किए जाएं। ज्ञापन में कहा कि मंडल कमीशन के 27 प्रतिशत आरक्षण के सभी मानकों पर मध्य हिमालय के निवासी खरे उतरते हैं और उन्हें केन्द्र सरकार की आरक्षण की परिधि में शामिल किया जाए। अखिलेश यादव ने आश्वस्त किया कि समाजवादी पार्टी हर मंच पर हिमालय, गंगा, यमुना तथा पर्यावरण बचाने के संघर्ष में सहयोगी होगी। अखिलेश से उनकी मुलाकात के साथ ही अब उनके सपा में शामिल होने की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है।

युवा मतदाताओं व महिलाओं पर भाजपा की नजर

» पार्टी कार्यकर्ता दावे और आपत्तियों का निस्तारण कराने में जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव-2022 के मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में भाजपा ने निर्वाचन आयोग का सहयोग करते हुए 25 लाख नए मतदाताओं से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कराया है। पार्टी की ओर से अब नए युवा और महिला मतदाताओं से लगातार संपर्क एवं समन्वय कर उनका मत एवं समर्थन हासिल करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत पार्टी ने हर विधानसभा क्षेत्र में पांच हजार नए मतदाताओं के नाम शामिल कराने का लक्ष्य रखा था।

403 विधानसभा क्षेत्रों में 20 लाख 15 हजार नए मतदाताओं के नाम सूची में जुड़वाए जाने थे। लेकिन पार्टी ने लक्ष्य से अधिक करीब 25 लाख मतदाताओं से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कराया है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं अभियान के प्रभारी अनूप गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए विशेष शिविर लगाए गए थे। उन्होंने बताया कि अब पार्टी कार्यकर्ता दावे और आपत्तियों का निस्तारण कराने में भी जुटे हैं।

25 लाख नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से जुड़वाए

नए मतदाताओं को जोड़ा जाएगा

एक विधानसभा क्षेत्र में औसतन पांच से छह हजार नए मतदाताओं के नाम शामिल किए गए है। पार्टी के नेताओं का मानना है कि विधानसभा चुनाव में अनेक सीटें ऐसी होती है जहां जीत हार का अंतर पांच हजार तक ही होता है। ऐसे में नए मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने का महत्व बढ़ जाता है। भाजपा की ओर से नए मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने के लिए अभियान चलाया जाएगा। युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

चुनाव के मद्देनजर सूची पुनरीक्षण तेज, 20 दिसंबर से पहले कराएं निस्तारण

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि विधान सभा चुनाव के लिए मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान प्राप्त सभी मतदाता फार्मो को बीएलओ समय से आवंटित कराएं और समयबद्ध ढंग से उनका त्रुटिरहित निस्तारण करा लिया जाए। मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान प्राप्त दावे व आपत्तियों का 20 दिसंबर से पहले फील्ड सत्यापन कराकर उन्हें निस्तारित करने के लिए कहा है। विधान सभा चुनाव के लिए मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण से सम्बंधित डक्षबदुओं और तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारियों व उप जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंडक्षसग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली जाए। सभी मतदान केंद्रों पर मतदान मशीनों के संचालन के प्रशिक्षण पर भी उन्होंने जोर दिया। उन्होंने कहा कि विधान सभा चुनाव के लिए सभी आवश्यक सामग्री की समय से व्यवस्था करने के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विधान सभा चुनाव के लिए कोविड-19 महामारी के दृष्टिकोण से भी गाइडलाइन के अनुरूप व्यवस्थाओं का आंकलन करने व उन्हें समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

दो पत्रकारों को शांति का नोबेल

पत्रकारों और पत्रकारिता करने वालों के लिए यह गौरव का क्षण है। पारंपरिक रूप से पत्रकारिता को 'नोबल प्रोफेशन' के रूप में परिभाषित किया गया है। दो पत्रकारों को इस साल 2021 का शांति का नोबेल पुरस्कार दिया जाना ऐतिहासिक घटना है। इससे यह मान्यता और पुष्ट हुई है कि लोकतंत्र के एक मजबूत स्तंभ के रूप में मीडिया और मीडियाकर्म का अलग महत्व है और समाज इसकी अनदेखी नहीं कर सकता। शांति के लिए चुनौती भरे क्षेत्र में पत्रकारों की भूमिका के प्रति यह वैश्विक सम्मान है। नोबेल के लिए चयनित दोनों पत्रकारों की पृष्ठभूमि फिलीपींस तथा रूस में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति अदम्य संघर्ष की रही है।

पत्रकारों और पत्रकारिता करने वालों के लिए यह गौरव का क्षण है। पारंपरिक रूप से पत्रकारिता को 'नोबल प्रोफेशन' के रूप में परिभाषित किया गया है। इसी नोबेल प्रोफेशन से जुड़े दो पत्रकारों को इस साल 2021 का शांति का नोबेल पुरस्कार दिया जाना ऐतिहासिक घटना है। इससे यह मान्यता और पुष्ट हुई है कि लोकतंत्र के एक मजबूत स्तंभ के रूप में मीडिया और मीडियाकर्म का अलग महत्व है और समाज इसकी अनदेखी नहीं कर सकता। शांति के लिए चुनौती भरे क्षेत्र में पत्रकारों की भूमिका के प्रति यह वैश्विक सम्मान है। नोबेल के लिए चयनित दोनों पत्रकारों की पृष्ठभूमि फिलीपींस तथा रूस में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति अदम्य संघर्ष की रही है। नोबेल पुरस्कारों के प्रारंभ-वर्ष 1901 से लेकर अब तक दूसरी बार किसी पत्रकार को यह सम्मान दिया गया है। 1935 में जर्मन पत्रकार कार्ल वान ओसीत्जकी को नोबेल मिला था। वैसे 1915 में भी रूसी पत्रकार-लेखिका स्वेतलाना अलेक्साई विच को साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए साहित्य का नोबेल प्रदान किया गया था। यह ऐतिहासिक अवसर है, जब इस साल दो पत्रकारों को नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया है। नोबेल कमेटी द्वारा 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जो लोकतंत्र की आवश्यक शर्त है तथा स्थायी शांति की मूलभूत आवश्यकता है, की रक्षा के लिए' 58 वर्षीय फिलीपींस की पत्रकार मारिया एंजेलिना रेसा और रूस के दिमित्री मुरातोव का चयन पत्रकारिता क्षेत्र के लिए गर्व और गौरव का विषय है। मारिया ने खोजी पत्रकारिता की अपनी वेबसाइट रैपलर के माध्यम से फिलीपींस के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेरते के विवादास्पद तथा हिंसक प्रहार के उपक्रमों को अपने पत्रकारिता अभियान का मुख्य विषय बनाया। अपनी वेबसाइट के बंद हो जाने तक के खतरों से जूझती मारिया कहती हैं- मैं सत्य और तथ्य पर आधारित पत्रकारिता के लिए संघर्ष करती रहूंगी।'

मारिया ने अपनी वेबसाइट रैपलर के माध्यम से प्रमाणों के साथ यह उद्घाटित किया कि फेक न्यूज के प्रसार के लिए उनके देश में किस प्रकार सोशल मीडिया का दुरुपयोग किया जा रहा है, विरोधियों के दमन का प्रयास किया जा रहा है और जनता में भ्रम फैलाया जा रहा है। मारिया ने पुरस्कार की घोषणा के बाद कहा- 'प्रारंभ से अब तक पत्रकारिता की कभी इतनी महत्वपूर्ण भूमिका नहीं रही, जितनी वर्तमान में है। फिलीपींस देश की प्रथम नोबेल विजेता मारिया दक्षिण पूर्व एशिया मनीला में सी.एनएन के प्रमुख खोजी रिपोर्टर के रूप में भी लंबे अरसे तक कार्यरत रह चुकी हैं और फिलीपींस में सरकारी दमन के क्रम में जेल की सजा भी भुगत चुकी हैं पर उनका हौसला 'सत्य के पक्ष में' अब भी बुलंद है। मारिया ने अपनी ऑनलाइन समाचार साइट के माध्यम से फिलीपींस के आधिकारिक सरकारी 'ट्रोल आर्मी'-फेक न्यूज अभियान की बखिया उधेड़ कर रख दी। दूसरे नोबेल विजेता रूसी पत्रकार, टेलीविजन कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता 60 वर्षीय दिमित्री मुरातोव का पत्रकारिता जीवन का सफर लंबा रहा है। उन्होंने 1993 में रूस में लोकतंत्र समर्थक रूसी भाषा का पत्र नोवोया गजेटा प्रारंभ किया और इसके प्रधान संपादक रहे। देश में मानवाधिकार के उल्लंघन और भ्रष्टाचार के विरोध के लिए अपने पत्र को मुखर रूप में जनता के समक्ष प्रस्तुत किया। रूस में एक मुखर लोकतंत्र समर्थक-स्वतंत्र पत्र के प्रधान संपादक की उनकी छवि को देश में असीम सम्मान मिला। विश्व के विभिन्न देशों में विपरीत परिस्थितियों में भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और इसकी रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले दोनों ही नोबेल सम्मानित पत्रकारों का जीवन 'मिशनरी' यानी समर्पण की पत्रकारिता का अनूठा उदाहरण है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एक जनरल की मृत्यु से उठते सवाल! जवाब कब और कौन देगा?

श्रवण गर्ग

एक सौ चालीस करोड़ नागरिकों के राष्ट्र के एक सदस्य के रूप में हम विचलित करने वाली हेलिकॉप्टर दुर्घटना को लेकर किस तरह की बेचैनी का सामना कर रहे हैं? जो हुआ है उसे लेकर क्या कोई सिहरन नहीं महसूस हो रही है? खुद से कोई सवाल नहीं पूछ रहे हैं कि सामरिक दृष्टि से एक संवेदनशील समय में इस सदमे को देश के नागरिकों द्वारा किस तरह से बर्दाश्त करना चाहिए? देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद पर नियुक्ति के साथ तीनों सेनाओं के बीच समन्वयक के रूप में कार्यरत एक महत्वपूर्ण व्यक्ति का अचानक से अनुपस्थित हो जाना कितना बड़ा सदमा हो सकता है, सामान्य तरीके से महसूस कर पाना मुश्किल हो सकता है। ऐसा इसलिए कि वायु दुर्घटनाएं तो पहले भी कई हुई हैं पर इस तरह की बड़ी सैन्य क्षति हाल के सालों में देश के लिए पहला बड़ा धक्का है।

देश को एक बड़ा सदमा पहली बार तब लगा था जब जनवरी 1966 में फ्रांस-इटली के बीच फैली आल्प्स पर्वत शृंखला के ऊपर एयर इंडिया 101 विमान क्षतिग्रस्त हो गया था और उसमें देश के सर्वोच्च परमाणु वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा का निधन हो गया था। भाभा के निधन के हादसे को आधी सदी से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। इस बीच विमानन के क्षेत्र में भारत और दुनिया के मुल्कों ने अप्रतिम तरक्की कर ली है। दुनिया भर में हर दिन कोई एक लाख विमान उड़ान भरते और उतरते हैं। हर समय कोई पांच लाख लोग आकाश में यात्राएं करते रहते हैं। कुछेक विमान दुर्घटनाग्रस्त भी होते हैं। कई बार चमत्कारिक ढंग से यात्री बच भी जाते हैं। छोटे विमानों की दुर्घटनाओं में संजय गांधी (जून 1980) और माधव राव सिंधिया (सितम्बर 2001) की मौतों ने तब देश में काफी स्तब्धता पैदा की थी।

उक्त के अतिरिक्त लोकसभा के अध्यक्ष जी एमसी बालयोगी (2002), अविभाजित आंध्र के मुख्यमंत्री वाय एस राजशेखर रेड्डी (2009), अरुणाचल के मुख्यमंत्री दोरजी खांडू (2011)आदि राजनेताओं की हेलिकॉप्टर/विमान दुर्घटनाओं ने भी तात्कालिक तौर पर खलबली मचाई थी। ऐसा भी नहीं है कि सैन्य क्षेत्र में ऐसी घटनाएं पूर्व में हमारे यहां नहीं हुईं है। परंतु आठ दिसम्बर 2021 को जो हुआ वह इसलिए अलग है कि सीमाओं पर चीन की चुनौती के बाद से देश की सुरक्षा तैयारियों में जुटे और प्रतिरक्षा से जुड़े सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति और उनकी पत्नी सहित तेरह महत्वपूर्ण व्यक्तियों की जानें इस पीड़ादायक हादसे में गईं हैं।

मीडिया में सार्वजनिक हो रही जानकरियों पर अगर यकीन करें तो दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर अत्यंत आधुनिक तकनीकी जरूरतों से सज्जित था। इनमें मौसम की जानकारी देने वाला रडार और नाइट विजन उपकरण भी शामिल हैं।

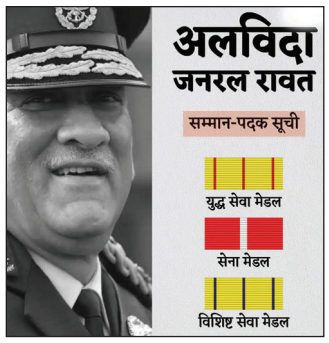

उड़ान भरने से पूर्व उसकी सम्पूर्ण तकनीकी जांच कर ली गई थी। ट्विन इंजन हेलिकॉप्टर के दोनों ही पायलट काफी अनुभवी और प्रशिक्षण प्राप्त थे। इतने मजबूत तकनीकी प्रबंधों के बावजूद हादसे का घटना आश्चर्य का विषय हो सकता है ? मीडिया की चर्चाओं में यह भी शामिल है कि दुर्घटनास्थल के आसपास मौसम अचानक से बदल जाता है ; हेलिकॉप्टर काफी नीचे उड़ान भर रहा था। इसलिए पेड़ों से टकराने के कारण उसमें आग लग गई होगी। यह चर्चा भी कि सम्भवत: हेलिकॉप्टर पूर्व के अनुभवों से भिन्न किसी अन्य मार्ग से गंतव्य की ओर उड़ान भर रहा होगा और उतरने के लिए कोई सुरक्षित स्थान न मिल पाने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। हेलिकॉप्टर में अचानक से उत्पन्न हुई, किसी तकनीकी खराबी की आशंका को भी जांच पूरी होने तक निरस्त नहीं किया जा रहा है।

मीडिया की खबरों में हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के ठीक पहले के एक संक्षिप्त वीडियो में उसे पहाड़ियों के काफी ऊपर उड़ते हुए दिखाया जा रहा है। हेलिकॉप्टर की आवाज कुछ स्थानीय लोगों के शॉट पर खत्म हो जाती है। वीडियो में दिख रहे स्थानीय लोग जब उस तरफ पीछे मुड़कर देखते हैं तो एक व्यक्ति जानकारी प्राप्त करता प्रतीत होता है कि क्या हुआ? क्या वह गिर गया या क्रैश हो गया? एक और आवाज जवाब देती है -हां। भारतीय वायु सेना ने इस वीडियो की प्रामाणिकता को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

देश के सामान्य नागरिक की समझ से बाहर है कि एक ऐसे व्यक्ति, जिनके कंधों पर तीनों सेनाओं के प्रमुखों को साथ जोड़कर करोड़ों देशवासियों को बाहरी ताकतों से सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी थी, की अतिसुरक्षा प्राप्त संसाधनों के बीच भी मौत कैसे हो गई? अति महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए व्यक्तियों द्वारा तमाम तरह से चाक-चौबंद बंदोबस्त के बीच की जाने वाली यात्राएं सामान्य बात है। ऐसे में यह दुर्घटना कई सवाल और चिंताएं खड़ी करती है। यह भी सोचा जा सकता है कि दुर्घटना को लेकर देश के नागरिकों की चिंताओं से इतर, हमारी सैन्य तैयारियों और उनसे सम्बद्ध लोगों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखने वाले मुल्कों की प्रतिक्रियाएं क्या हो सकतीं हैं? देश के प्रतिरक्षा प्रतिष्ठानों के चेहरों पर इस दुर्घटना के कारण खिंचने वाली लकीरों को पढ़कर नागरिक राष्ट्र के सुरक्षा इंतजामों के प्रति कितने यकीन के साथ निश्चित हो सकेंगे? दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए समिति बना दी गई है और उसने काम भी प्रारम्भ कर दिया है। दुर्घटना में जीवित बच गए ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का इस समय बंगलुरु में इलाज चल रहा है। स्वस्थ होने पर ही वे इस संबंध में कुछ भी जानकारी दे सकेंगे। दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर का ब्लैक बॉक्स घटनास्थल से प्राप्त कर जांच के लिए भेज दिया गया है। सवाल यह है कि विधानसभा चुनावों को लेकर चल रही राजनीतिक आपाधापी और जनरल रावत के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति के चयन को लेकर उनकी अंत्येष्टि के पूर्व ही प्रारम्भ कर दी गई। अटकलों के बीच हेलिकॉप्टर दुर्घटना की खबर आगे कितने दिनों तक सुर्खियों में बनी रह सकेगी ? दुर्घटना के कारणों और परिणामों पर अब आगे कौन प्रकाश डालने वाला है ? और अंत में यह कि क्या आज के अत्यंत विकसित वैज्ञानिक युग में किसी अन्य विकसित राष्ट्र में इस तरह की सैन्य दुर्घटना सम्भव है? हेलिकॉप्टर दुर्घटना का विश्वसनीय सच जितनी जल्दी हो सके नागरिकों तक पहुंचना जरूरी है। नागरिकों में वे परिवार भी शामिल हैं जिनके प्रियजन दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना का शिकार हुए हैं और लाखों की संख्या का वह सैन्य बल भी जिसके जिम्मे देश की सरहदों को सुरक्षित रखने की बड़ी जिम्मेदारी है।

सवालों के जवाब अब भी बाकी रह गये

उमेश चतुर्वेदी

आखिरकार केंद्र सरकार और आंदोलनकारी संयुक्त किसान मोर्चे के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलनी शुरू हो गई है। संयुक्त किसान मोर्चा ने दिल्ली की घेराबंदी उठाने का ऐलान कर दिया है। किसान अपने घरों को लौटने लगे हैं। किसानों की इस घोषणा के बाद सिर्फ सरकारों ने ही राहत की सांस नहीं ली है, बल्कि यह सिंघु बार्डर और गाजीपुर के रास्ते बाहर से आने वाले लोग भी राहत महसूस कर रहे हैं।

अव्वल तो धरना उठने की शुरूआत अधिकतम बीस नवंबर से ही शुरू हो जानी चाहिए थी। 19 नवंबर की सुबह को अचानक तीनों विवादित कृषि कानूनों को वापस लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने देश को चौंकाया ही नहीं, बल्कि सख्त प्रशासक की छवि को भी दांव पर लगा दिया था। भारतीय जनता पार्टी और अपने समर्थकों के भी निशाने पर वे रहे। किसान संगठनों में इस घोषणा के बाद ही धरने को लेकर असमंजस दिखने लगा था। कुछ संगठन उसे खत्म करने की बातें भी करने लगे थे। हालांकि राकेश टिकैत जैसे किसान नेताओं ने धरना उठाने से मना कर दिया। इतना ही नहीं, आगे बढ़कर टिकैत तो बैंकों के निजीकरण के खिलाफ आंदोलन चलाने की भी घोषणा करने में पीछे नहीं रहे। तब किसान संगठनों को लेकर कुछ वर्गों में गुस्सा भी दिखा। भारतीय समाज की जो बुनावट है, उसमें राजा-शहंशाह के झुकते ही उसके प्रति हमदर्दी स्वाभाविक रूप से पनप उठती है। किसान संगठनों की हठधर्मिता के चलते ऐसा होने लगा था। दिल्ली की बसें हों या मेट्रो या फिर मेरठ की चौपाल, हर जगह पर इन पंक्तियों के लेखक को किसान संगठनों की हठधर्मिता के खिलाफ किंचित गुस्सा नजर आया। इस तथ्य की जानकारी किसान संगठनों को है या नहीं, कहना मुश्किल है। लेकिन इतना तय है कि किसान संगठनों को भी लगने लगा था कि अब ज्यादा दिन तक धरना चला तो उसे न्यायोचित ठहराना आसान नहीं होगा।

केंद्र सरकार ने किसान संगठनों के समक्ष सुलह प्रस्ताव रखकर विवाद टालने का जो कदम उठाया है, उसका स्वागत होना चाहिए। सरकार मान गई है कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानून बनाने की दिशा में प्रयास करेगी। किसानों पर दर्ज मामले भी वापस होंगे। भाजपा शासित राज्यों उत्तराखंड, यूपी, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और मध्य प्रदेश ने इस दिशा में कदम उठाने पर हामी भर दी है। किसान संगठन आंदोलन के दौरान सात सौ किसानों के मरने या मारे जाने का दावा कर रहे हैं। इस बारे में संसद में भी सवाल पूछा गया था, जिसके जवाब में सरकार ने कह दिया है कि ऐसी मौतों का आंकड़ा राज्यों के पास होता है। वैसे उत्तर प्रदेश और हरियाणा किसानों को मुआवजा देने पर अंशत: सहमत भी हो चुके है। केंद्र जिस तरह किसानों के समक्ष झुकती नजर आ रही है, उसे किसान संगठन अपनी जीत जरूर बताएंगे। लेकिन यह अर्धसत्य है। सरकार भी जानती है कि ज्यादा दिनों तक किसानों का खेतों से बाहर रहना आखिरकार देश के लिए ही नुकसान दायक है। इसलिए वह चाहती है कि किसान आंदोलन जल्द से जल्द खत्म हो और देश का उत्पादक वर्ग एक बार फिर अपने अनमोल उत्पादन प्रक्रिया में शामिल हो।

ये घरेलू नुस्खे

आपको बचाएं एसिडिटी से

बड़े-बड़े डॉक्टर कहते हैं कि यदि आपका पाचन सही है तो कोई भी बीमारी आपको छू नहीं सकती। अगर आपका पाचन तंत्र बिगड़ गया तो पेट में एसिडिटी के साथ-साथ अन्य कई प्रकार की बीमारियां आपके शरीर को घेर लेती हैं। पेट में पाचन रस की ज्यादा या कम मात्रा निकलने पर एसिडिटी की परेशानी होती है। एसिडिटी होने पर पेट में दर्द, गैस, मुंह से बदबू और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जो लोग अक्सर एसिडिटी से परेशान रहते हैं उनके लिए समस्या गंभीर हो सकती है। एसिडिटी मसालेदार खाना खाने, अनियमित खाने की आदतें या बहुत ज्यादा स्ट्रेस लेने से भी होती है। इतना ही नहीं ज्यादा शराब पीने और चाय-कॉफी पीने वालों को भी एसिडिटी की दिक्कत होती है। आइए आपको बताते हैं कि कौन से घरेलू नुस्खे अपनाकर आप आसानी से एसिडिटी से राहत पा सकते हैं।

तुलसी के पत्ते

तुलसी के पत्ते आपको तुरंत एसिडिटी, गैस और उल्टी से राहत दे सकते हैं। उपचार के लिए कुछ तुलसी के पत्ते चबा कर खाएं। तुलसी के कुछ पत्ते पानी में उबाल लें, उस पानी को छान लें। गुनगुना रहने पर शहद मिलाकर पिएं। यह भी एसिडिटी के लिए अच्छा उपाय है।

दालचीनी

दालचीनी एक प्राकृतिक एंटासिड है जो पाचन शक्ति के लिए बेहद अच्छी है और गैस को दूर रखती है। उपचार के लिए एक कप पानी में आधा चम्मच दालचीनी पाउडर डालकर उबालें। इस पानी को एक दिन में दो से तीन बार पिएं। इसके अलावा सूप या सलाद में भी दालचीनी पाउडर डालकर खाया जा सकता है।

छाछ

छाछ पीने से भी एसिडिटी में बहुत राहत मिलती है। छाछ में पेट की अम्लता को संतुलित करने के लिए लैक्टिक एसिड होता है। उपचार के लिए मेथी के दानों को पानी के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को एक गिलास छाछ में मिलाकर पिएं। इससे पेट का दर्द भी ठीक होगा और गैस से भी राहत मिलेगी। साथ ही, एसिडिटी भी खत्म होगी। स्वाद बढ़ाने और बेहतर परिणाम के लिए इस छाछ में काला नमक और काली मिर्च भी मिलाई जा सकती है।

सेब का सिरका

सेब का सिरका भी एसिडिटी को ठीक करने का आसान तरीका है। उपचार के लिए एक कप पानी में दो चम्मच कच्चा सेब का सिरका मिलाकर दिन में दो बार पिएं। खाना खाने से पहले भी इसे पिया जा सकता है।

लौंग

लौंग खाने से पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है जिससे पेट की अम्लता कम होती है और एसिडिटी से राहत मिलती है। राहत के लिए खाने के बाद दो से तीन लौंग को मुंह में रखकर हल्का-हल्का चबाकर चूसें।

जीरा

जीरा भी एक बेहतरीन एसिड न्यूट्रालाइजर है जो एसिडिटी को कम करता है। इसके साथ ही पाचन शक्ति को बढ़ाकर पेट दर्द से भी राहत देता है। उपचार के लिए जीरा को भूनकर उसका पाउडर बनाएं। इस पाउडर को खाना खाने के बाद एक गिलास पानी में मिलाकर पिएं। जीरा पाउडर को छाछ में मिलाकर भी पिया जा सकता है।

अदरक

अदरक में पेट की अम्लता से लड़ने के गुण होते हैं जो एसिडिटी से राहत देते हैं। उपचार के लिए खाने के बाद अदरक का एक छोटा टुकड़ा मुंह में रखकर चबाएं या फिर एक कप पानी में अदरक को कुचलकर डालें और उबालें। इस पानी को छानकर पिएं।

अच्छे पाचन के लिए इन्हें कहें ना

- अधिक मसालेदार, खट्टे फल, चॉकलेट, पुदीना, टमाटर, सॉस, अचार, चटनी, सिरका।
- अत्यधिक कॉफी, काबरेनेटेड ड्रिंक्स, चाय और अल्कोहल का सेवन कम करें। ये शरीर में कार्बन डाइऑक्साइड गैस बनाते हैं।
- अधिक तले-भुने व मसालेदार भोजन का सेवन कम करें। जंक फूड व स्ट्रीट फूड आसानी से पचता नहीं है। इन्हें ढंग से चबा कर नहीं खाया जाता, जिससे पेट पर दबाव बना रहता है।
- अधिक धूम्रपान भी पाचन तंत्र में गड़बड़ी करता है।

हंसना मना है

जैक: मम्मी, क्या मैं दोस्त के घर जाकर खेल लूं? मम्मी: जाओ, लेकिन सड़क तभी पार करना जब कार गुजर जाएं समझे, जैक बाहर जाकर डेढ़ घंटे बाद वापस आ गया। मम्मी: तुम अभी यहीं घूम रहे हो? जैक: मैं सड़क तक गया था मम्मी, लेकिन अब तक एक भी कार वहां से नहीं गुजरी।

दो चूहों ने एक बार एक हाथी को पकड़ लिया, एक चूहा अपने दोस्तों को बुलाने चला गया, जब तक वह लौटा वह हाथी नहीं था उसने पूछा कहां हैं हाथी? चूहा बोला: पता नहीं कहां चला गया, अभी तो यहीं था। पहले चूहे को गुस्सा आ गया और बोला, झूठे मुझे सब पता हैं, तुम अब तक मुंह चला रहे हो।

एक आदमी कर्जदार से: तुम मेरे पैसे कब तक लौटा दोगे। कर्जदार: मुझसे क्या पूछते हो, मैं क्या ज्योतिषी हूं।

अध्यापक रामू से: भाईचारा शब्द को वाक्य में प्रयोग करो। रामू: जब मैंने दूधवाले से पूछा की दूध इतना महंगा क्यों बेचते हो तो वह बोला भाई चारा जो महंगा हो गया है।

कर्मचारी (मिल मालिक से): सरकार, अब मेरी तनख्वाह बढ़ा दी जानी चाहिए, क्योंकि हाल ही में मेरी शादी हो गई हैं। मिल मालिक: देखो, मिल के बाहर होने वाली दुर्घटनाओं के जिम्मेदार हम नहीं हैं।

दो आदमी आपस में बातें कर रहे थे... पहला- ये 14 तारीख को क्या है? दूसरा- ये बता तू शादीशुदा है या तेरी गर्लफ्रेंड हैं? पहला- मैं शादीशुदा हूं... दूसरा- तो फिर तेरे लिए महावीर जयंती है...

कहानी | गलत मार्ग का अंजाम

किसी ग्राम में किसान दंपति रहा करते थे। किसान तो वृद्ध था पर उसकी पत्नी युवती थी। चंचल होने के कारण किसान की पत्नी सदा पर-पुरुष की टोह में रहती थी, इस कारण एक क्षण भी घर में नहीं ठहरती थी। एक दिन किसी ठग ने उसको घर से निकलते हुए देख लिया। उसने उसका पीछा किया और जब देखा कि वह एकांत में पहुंच गई तो उसके सम्मुख जाकर उसने कहा, देखो, मेरी पत्नी का देहान्त हो चुका है। मैं तुम पर अनुरक्त हूं। मेरे साथ चलो। वह बोली, यदि ऐसी ही बात है तो मेरे पति के पास बहुत-सा धन है। मैं उसको लेकर आती हूं, जिससे कि हमारा भविष्य सुखमय बीते। उस व्यक्ति ने कहा, ठीक है जाओ। कल प्रात:काल इसी समय इसी स्थान पर मिल जाना। इस प्रकार उस दिन वह किसान की स्त्री अपने घर लौट गई। रात होने पर जब उसका पति सो गया, तो उसने अपने पति का धन समेटा और उसे लेकर प्रात:काल उस स्थान पर जा पहुंची। दोनों वहां से चल दिए। दोनों अपने ग्राम से बहुत दूर निकल आए थे कि तभी मार्ग में एक गहरी नदी आ गई। उस समय उस ठग के मन में विचार आया कि इस औरत को अपने साथ ले जाकर मैं क्या करूंगा। और फिर इसको खोजता हुआ कोई इसके पीछे आ गया तो वैसे भी संकट ही है। अत: किसी प्रकार इससे सारा धन हथियाकर अपना पीछा छुड़ाना चाहिए। यह विचार कर उसने कहा, नदी बड़ी गहरी है। पहले मैं गठरी को उस पार रख आता हूं, फिर तुमको अपनी पीठ पर लादकर उस पार ले चलूंगा। दोनों को एक साथ ले चलना कठिन है। ठीक है, ऐसा ही करो। किसान की स्त्री ने अपनी गठरी उसे पकड़ाई तो ठग बोला, अपने पहने हुए गहने-कपड़े भी दे दो, जिससे नदी में चलने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी। और कपड़े भीगेंगे भी नहीं। उसने वैसा ही किया। उन्हें लेकर ठग नदी के उस पार गया तो फिर लौटकर आया ही नहीं। वह औरत अपने कुकृत्यों के कारण कहीं की नहीं रही। इसलिए कहते हैं कि अपने हित के लिए गलत कर्मों का मार्ग नहीं अपनाना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

धनलाभ- आर्थिक प्रयास बेहतर बने रहेंगे। उन्नति के अवसर बनेंगे। नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। कारोबार बेहतर रहेगा। पेशेवरता से काम लेंगे। नए लोगों से लाभ होगा।

वृषभ

आज किसी नए काम की जिम्मेदारी मिलेगी। व्यापार में आज किसी नयी डील पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। आज किसी के साथ कोई भी गुप्त बात साझा करने से बचें।

मिथुन

कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा किये गये नये कार्य को सराहा जायेगा। व्यापार में शत्रु पक्ष से बच कर रहें। जरूरत पढ़ने पर छोटी बहन से मदद मिलने पर मन को संतुष्टी प्राप्त होगी।

कर्क

कार्यक्षेत्र में नये प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार में लाभ प्राप्त होगा। घर में अचानक रिश्तेदारों और मेहमानों का आना हो सकता है। घर में खुशी का माहौल रहेगा।

सिंह

आज बाहरी लोगों के दबाव के चलते स्वयं को कुछ थका सा महसूस करेंगे। आप करना कुछ चाहते हैं लेकिन लोगों के दबाव के चलते आप कोई फैसला नहीं ले पा रहें।

कन्या

आज उत्साह के साथ काम करेंगे। सहकर्मी के साथ मनोरंजन हेतु बाहर कुछ प्लान कर सकते हैं। कोई उपयोगी और आपकी बेहद प्रिय वस्तु आज खो सकती है, सावधानी बरतें।

तुला

आज घर में कार्य की अधिकता रहेगी। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में आज बड़ी हानि हो सकती है। कोई भी डील करते समय कागजात पर हस्ताक्षर बिना पढ़ें ना करें।

वृश्चिक

कार्यक्षेत्र में लम्बे समय से चली आ रही किसी बड़ी परेशानी से आज आपको छुटकारा मिल सकता है। व्यापार में की जाने वाली डील आपके लिए फायदेमंद रहेंगी।

धनु

आज आप खरीदारी में अधिक व्यय कर सकते हैं। अपना बजट देखकर ही खर्च करें। कार्यक्षेत्र में किसी की बात को गलत तरीके से लेने में बचें। व्यापार में आर्थिक लाभ प्राप्त होगा.

मकर

आज आप खरीदारी में अधिक व्यय कर सकते हैं। अपना बजट देखकर ही खर्च करें। कार्यक्षेत्र में किसी की बात को गलत तरीके से लेने में बचें। व्यापार में आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में कार्य का दबाव कम रहेगा। आज आप अपने पसंद के काम में खुद को व्यस्त रखना पसंद करेंगे।

मीन

कार्यक्षेत्र में कोई भी नया काम शुरू करने से पहले उसको अच्छे से समझ लें। व्यापार में मनमुताबिक लाभ की स्थिति बनेगी। आज कोई भी बड़ा निवेश कर सकते हैं।

भोजपुरी | मन की बात

चर्चा में अक्षरा का कैप्शन : ये वक्त है साहब, बदलता जरूर है

भोजपुरी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार अक्षरा सिंह बिग बॉस ओटीटी से निकलने के बाद से ही लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। बीते कुछ समय में एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग में भी काफी इजाफा हुआ है। अब वह किसी भी पहचान की मोहताज रह गई हैं। अक्सर अपने पोस्ट को लेकर सुर्खियों में रहने वाली अक्षरा एक बार फिर से फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह वेकेशन एन्जॉय करती दिख रही हैं। अक्षरा ने एक साथ कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। लाइट मेकअप और कैजुअल लुक के साथ अक्षरा ने अपने लुक को कंप्लीट किया है। हेयरस्टाइल की बात करें तो उन्होंने बन बनाया हुआ है। एक्ट्रेस की क्यूटनेस ने सभी का दिल जीत लिया है। फैंस उनके इस अंदाज को बेहद पसंद कर रहे हैं। एक तस्वीर में अक्षरा विक्ट्री साइन दिखाते नजर आ रही हैं। हैरान करने वाली ये है कि इसी तस्वीर में एक्ट्रेस के अपोजिट किसी लड़के का भी हाथ दिखाई दे रहा है। हालांकि इस पोस्ट में अक्षरा के अलावा किसी का भी चेहरा नहीं दिख रहा है। फोटोज शेयर करते हुए अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, ये वक्त है साहब, बदलता जरूर है। इस पोस्ट को अब तक लाखों लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं, एक्ट्रेस की फोटोज पर कमेंट का सिलसिला जारी है। फैंस के साथ-साथ तमाम यूजर्स से तस्वीरों से नजरें हटाना मुश्किल हो गया है। बता दें कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, वहां फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेकरार रहते हैं।

सोच लिया में दिखी प्रभास और पूजा हेगड़े की दमदार कैमेस्ट्री

दक्षिण भारतीय फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपने अब तक के करियर में एक से एक बेहतरीन फिल्में दी हैं। फिलहाल पिछले कुछ समय से वह अपनी अगली फिल्म राधे श्याम को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में उन्हें सुपरस्टार प्रभास के साथ रोमांस करते हुए देखा जाने वाला है। पूजा हेगड़े का कहना है कि राधे श्याम का गाना सोच लिया प्रभास और उनके बीच दमदार केमिस्ट्री दिखाता है। इस नए गाने को मशहूर सिंगर अरिजीत सिंह ने अपनी खूबसूरत आवाज में सजाया है और ये मिथुन द्वारा रचित है। सोच लिया में पूजा के अवतार में क्लासिक यूरोपियन गेट-अप और विंटेज चार्म है। अधिकता का मंचन करते हुए दिखाया गया है, जबकि वह अपने को-स्टार प्रभास द्वारा छेड़खानी पर रिएक्शन देते हुए उनसे बचने की कोशिश कर रही हैं।

गौरतलब है कि राधे श्याम 14 जनवरी, 2022 को रिलीज होने के लिए तैयार है। राधा कृष्ण कुमार के निर्देशन में बनने वाली, राधे श्याम यूवी क्रिएशन्स बैनर के तहत बनाई गई एक महाकाव्य प्रेम कहानी के रूप में बिल किया गया है। यह फिल्म चार भाषाओं- तेलुगु, तमिल, हिंदी और मलयालम में रिलीज की जाएगी।

बॉलीवुड | मसाला

RRR देगी ओटीटी पर दस्तक

साउथ फिल्मकार एस.एस. राजामौली के निर्देशन में बनी मोस्ट अवेटेड आरआरआर का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हो चुका है। इसी के साथ फिल्म के लिए दर्शकों में उत्सुकता भी काफी बढ़ गई है। ट्रेलर के लिए मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से मेकर्स और इसकी स्टार कास्ट काफी खुश है। फिल्म का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज किया गया था। इसे आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सिनेमाघरों में भी प्रदर्शित किया गया था। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान मुंबई में मीडिया से बातचीत करने वाली आरआरआर टीम ने फिल्म के लिए काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए बहुत अच्छा समय बिताया।

जानिए कब होगी ओटीटी पर रिलीज

मीडिया के साथ अपनी नवीनतम बातचीत में, आरआरआर के हिंदी भाषा संस्करण वितरक, जयंती लाल गडा ने मैग्नम ओपस के ओटीटी रिलीज का खुलासा किया। फिल्म के ओटीटी-डिजिटल रिलीज के बारे में पूछे जाने पर, जयंती लाल गड़ा ने कहा कि आरआरआर रिलीज के कम से कम 90 दिनों के बाद ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। बता दें कि जी5 और नेटफ्लिक्स के पास राम चरण और एनटीआर स्टारर आरआरआर के पोस्ट-थियेट्रिकल डिजिटल स्ट्रीमिंग अधिकार हैं। निर्माता वर्तमान में प्रचार गतिविधियों में व्यस्त हैं। राजामौली और उनकी पूरी टीम को भारत के महत्वपूर्ण शहरों की यात्रा करनी है, ताकि आरआरआर को बढ़ावा दिया जा सके।

अजब-गजब | इस घर को देखा सबने, लेकिन रहने कोई नहीं गया

100 साल से बंद पड़ा है रहस्यमयी घर

धरती पर कई ऐसी रहस्यमय जगहें हैं, जहां के बारे में किसी को नहीं पता है। इन्हें इंसान देखता तो है लेकिन ये नहीं जानते कि इसके पीछे का इतिहास क्या है? इटली के विशाल डोलोमाइट पर्वत के बीच भी ऐसा ही घर बना हुआ है, जहां एक सदी से कोई गया ही नहीं। घर के आस-पास पहाड़ों के अलावा कुछ भी नहीं है।

घर को देखने के बाद आप ये सोचने पर मजबूर हो जाएंगे कि आखिर इतनी ऊंचाई पर घर को बनाया कैसे गया? घर की ऊंचाई समुद्र तल से करीब 9000 फीट है और बताया जाता है कि घर को प्रथम विश्व युद्ध के दौरान बनाया गया था। अब इस घर का इस्तेमाल उस वक्त किस चीज़ के लिए किया जाता होगा, ये सोचने की बात है। इसके अलावा इस घर को किसने और कैसे बनाया होगा, ये भी बड़ा सवाल है।

सेना ने किया था घर का निर्माण

जानकारों की मानें तो इस घर को इटैलियन सैनिकों ने ऑस्ट्रो-हंगेरियन सेना से लड़ाई के दौरान आराम करने के मकसद से बनाया था। वे इस जगह को स्टोर रूम की तरह भी इस्तेमाल करते थे। जहां सेना के लिए लाए गए सामान को वे सुरक्षित रख देते थे। घर का निर्माण बहुत ही अलग तरीके से किया गया है। इस पूरे घर के निर्माण में लकड़ी, रस्सी और केबल की मदद ली गई है। घर का पर्वत के बिल्कुल बीच में बने होना अपने आपमें अचंभा है। यहां तक पहुंचने का रास्ता कठिन है। घर तक पहुंचने के लिए सिर्फ एक पुराना लकड़ी का पुल है, जिससे यहां तक पहुंचते हैं।

हज़ारों फीट की ऊंचाई से देखना आश्चर्यजनक है

ये जगह हजारों फीट की ऊंचाई पर होने की वजह से बिल्कुल अलग दुनिया में लगती है। ऊपर से अगर नीचे देखें तो कमजोर दिल वाले डर जाएंगे। दूर-दूर तक सिर्फ पहाड़ ही पहाड़ हैं और कुछ भी नहीं दिखाई देता है। घर सदियों पुराना हो चुका है, इसलिए लोगों को यहां नहीं जाने की भी सलाह दी जाती है। हाइकिंग के शौकीन यहां जाना तो चाहते हैं लेकिन वे खुद के ही जोखिम पर जा सकते हैं।

दुनिया की सबसे छोटी कार से पूरा ब्रिटेन घूम आया शख्स

दुनिया में कई लोगों को अजीबोगरीब रिकार्ड्स बनाने का शौक होता है। कुछ लोग इस शौक में आसान काम को भी काफी टफ बना लेते हैं। यूके में रहने वाले 31 साल के एलेक्स ने भी ऐसे ही एक आसान सफर को काफी मुश्किल बना डाला। उसने यूके को एक से दूसरे छोर तक कवर किया, वो भी दुनिया की सबसे छोटी कार में। इस पूरी जर्नी में एलेक्स की कार की सबसे तेज स्पीड थी 23 mph। गूगल मैप्स के आधार पर ये जर्नी जो John O'Groats से Land's End तक होती है, को पूरा करने में ज्यादा से ज्यादा 14 घंटे का समय लगता है। लेकिन ये जर्नी एलेक्स ने तीन हफ्ते में पूरी की। एलेक्स ने ये जर्नी 13 नवंबर को शुरू की थी। इसके तीन हफ्ते बाद उसकी जर्नी खत्म हुई। सड़क पर एलेक्स को सभी घूरकर देखते कार इतनी छोटी, ऊपर से इसकी स्पीड की वजह से भी ये लोगों की नजर में आ जा रही थी। एलेक्स ने जिस कार से सफर को पूरा किया वो Peel P50 है। इसका प्रॉडक्शन 1962 में होता था। इस कार में सिर्फ एक दरवाजा होता है। इसे 1962 से 1965 तक बनाया गया था। इसके बाद कार का प्रॉडक्शन रोक दिया गया। 2007 में BBC के टॉप गियर नाम के शो के जरिये इसकी यूनिट बनाई गई और कार का पेट्रोल मॉडल 2011 में मार्केट में आया। एलेक्स की ये जर्नी 14 सौ मील की थी। इस छोटी सी कार के अंदर तीन हफ्ते बैठना एक चैलेंज था। एलेक्स की हाइट 5 फीट 11 इंच है। ऐसे में इस कार में समाना भी चैलेंज था। कार सिर्फ 137cm लंबा था और 99 cm चौड़ा। इसके सामने सबसे बड़ा चैलेंज था मौसम को झेलना। कार का वजन काफी कम था। इस कारण यूके में हाल में आए तूफान में इसे चलाना काफी मुश्किल था। लेकिन एलेक्स ने सफलता हासिल कर ली। अपनी मुश्किल जर्नी के बारे में बात करते हुए एलेक्स ने बताया कि एक ऐसा मोमेंट आया था जब कार से उनका नियंत्रण चला गया था। लेकिन इसके बाद उसने खुद को संभाल लिया। जर्नी के दौरान लोग एलेक्स तस्वीर खिंचवाते और कई लोगों ने उनकी तारीफ भी की। एलेक्स के मुताबिक कई लोगों ने उनकी कार में तेल भरवाया। तो कई ने उन्हें खाना खिलाया। ये एलेक्स के लिए अबतक का सबसे यादगार एक्सपीरियंस साबित हुआ।

टीकरी बॉर्डर से लौटे किसान आवागमन शुरू

» गाजीपुर और सिंघु बॉर्डर से वापसी जारी हटाए गए अवरोध

» कृषि कानूनों की वापसी व अन्य मांगों पर समझौते के बाद लौट रहे किसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कृषि कानूनों की वापसी और अन्य मांगों पर केंद्र सरकार से समझौते के बाद जीत का जश्न मनाते हुए किसान दिल्ली के सभी बॉर्डर से घर लौटने लगे हैं। बहादुरगढ़ में टीकरी बॉर्डर से सभी किसान लौट गए। इसके बाद यहां से आवागमन शुरू हो गया। गाजीपुर और सिंघु बॉर्डर से किसानों की वापसी जारी है। सिंघु बॉर्डर से 95 फीसदी अवरोधकों को हटा लिया गया है। यहां भी आज से आवाजाही शुरू हो सकती है।

पुलिस के मुताबिक, रोहतक रोड टीकरी बॉर्डर पर कैरिज-वे की एक तरफ लगे बैरिकेड्स को अक्टूबर में ही यातायात की आवाजाही के लिए हटा दिया गया था। कैरिज-वे की दूसरी ओर किसान बैठे थे। दिल्ली पुलिस ने किसानों के जाने के बाद रविवार को सभी बैरिकेड्स हटा लिए, जिसके बाद यातायात व्यवस्था बहाल हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि किसानों के जाने के बाद रोहतक रोड पर लगे बहुस्तरीय अवरोधों को पूरी तरह से हटा दिया गया है। वाहनों के लिए दोनों तरफ की सड़कों को खोल दिया गया है। पिछले साल 26 नवंबर से हजारों

किसान यहां धरने पर थे। वहीं, किसान नेताओं के अनुसार, सिंघु बॉर्डर पर 95 प्रतिशत लोग चले गए हैं और सभी अवरोधकों को भी हटा दिया गया है। किसान समूहों और गैर-सरकारी संगठन यहां सफाई करा रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों ने बताया कि सफाई का काम चल रहा है। इस काम में 20 से अधिक जेसीबी मशीनों को लगाया गया है। स्वयंसेवी दिन-रात काम कर रहे हैं। किसान नेता अभिमन्यु कोहर ने बताया कि यहां आज शाम से वाहनों की आवाजाही शुरू हो सकती है।

लखनऊ में ठेकेदार की गोली मारकर हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कृष्णानगर के विजयनगर इलाके में रविवार रात बाइक सवार बदमाशों ने ठेकेदार महेंद्र प्रताप की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद फायरिंग करते हुए भाग निकले। ठेकेदार की हत्या की सूचना पर डीसीपी सेंट्रल डा. ख्याति गर्ग और इंस्पेक्टर कृष्णानगर आलोक राय भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जायजा लिया। पुलिस को मौके से एक खोखा और दो कारतूस, ठेकेदार की बाइक, पर्स और मोबाइल फोन मिला है, जिसे कब्जे में ले लिया है। पुलिस के अनुसार बदमाशों ने दो से तीन राउंड फायरिंग की है। हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। इसके साथ ही हत्या में ठेकेदारी, लेन-देन समेत कई बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है।

» सीसी कैमरे में हुए कैद बदमाश, तलाश में दबिश

विजयनगर में अनिल शुक्ला का मकान है। उन्होंने कुछ दिन पहले असलम नाम के ठेकेदार को मकान तोड़वाने का ठेका दिया था। इंस्पेक्टर कृष्णानगर के मुताबिक महेंद्र हरदोई रोड बसंतकुंज योजना के पीरनगर के रहने वाले थे। रविवार शाम असलम के साथी महेंद्र प्रताप मकान तोड़वा रहे थे। साइट पर मजदूर भी लगे थे। महेंद्र देखरेख कर रहे थे। इसी बीच बाइक सवार दो बदमाश पहुंचे। उन्होंने महेंद्र पर ताबड़तोड़ फायरिंग की और भाग निकले। सिर में गोली लगने से महेंद्र मौके पर ही गिर पड़े। उन्हें लोकबंधु ले जाया गया। वहां, डाक्टरों ने महेंद्र को मृत घोषित कर दिया। बदमाश घटनास्थल से कुछ दूरी पर लगे एक सीसी कैमरे में कैद हो गए हैं। फुटेज के आधार पर उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। डीसीपी डा. ख्याति गर्ग ने बताया कि फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है। पुलिस महेंद्र के मोबाइल की काल डिटेल की पड़ताल भी कर रही है।

बिहार को विशेष राज्य के दर्जे पर कैबिनेट दो-फाड़

» नीतीश सरकार ने नीति आयोग को लिखा पत्र

» सहयोगी दल भाजपा ने उठाये सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग नए सिरे से उठाई है। योजना मंत्री बिजेंद्र यादव ने इस बाबत नीति आयोग के अध्यक्ष राजीव कुमार को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि बिहार विशेष राज्य का दर्जा पाने के सभी मानकों पर खरा उतरता है। उधर, इस मुद्दे पर राज्य की कैबिनेट दो-फाड़ दिख रही है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार में शामिल भाजपा कोटे से उपमुख्यमंत्री रेणु देवी ने सवाल किया है कि जब केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार विशेष राज्य के दर्जे से अधिक धन दे रही है, तो इस मांग का क्या औचित्य है?

बिहार सरकार में मंत्री बिजेंद्र यादव ने नीति आयोग की उस रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह मांग उठाई है, जिसमें बिहार को देश का सर्वाधिक गरीब राज्य बताया गया है। इस रिपोर्ट के आधार पर विपक्ष नीतीश कुमार के विकास के दावों को कटघरे में खड़ा कर रहा है। पत्र में मंत्री ने कहा है कि बिहार प्रति व्यक्ति आय, मानव विकास व जीवन स्तर के मानकों पर राष्ट्रीय औसत से नीचे है। इसके लिए बिहार में प्राकृतिक संसाधनों व जलीय सीमा के अभाव तथा अत्यधिक जनसंख्या घनत्व को जिम्मेदार है। बिहार बाढ़ व सूखा प्रभावित प्रदेश भी है। यहां के आधे से अधिक जिले इन प्राकृतिक आपदाओं को झेलते रहते हैं।

देश को गुमराह कर रही भाजपा : बघेल

हिटलर-मुसोलिनी हैं बीजेपी के आदर्श, कांग्रेस की विचारधारा ऋषि-मुनि परंपरा पर आधारित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। राहुल गांधी के हिंदुत्व वाले बयान पर भाजपा की प्रतिक्रिया पर छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा की विचारधारा झूठ और झांसे पर आधारित है, उनके आदर्श हिटलर और मुसोलिनी से प्रेरित हैं। उनका परिधान भी भारतीय नहीं है, वे बैंड, हाफ पैंट, काली टोपी पहनते हैं। हमारे राज्य में सिर्फ भाजपा ही दुखी है।

आरएसएस पर निशाना साधते हुए बघेल ने कहा कि आप उनकी संस्कृति को देख सकते हैं। वे शॉर्ट्स और काली टोपी पहनते हैं और ड्रम बजाते हैं। ये भारतीय पोशाक नहीं हैं। वे उसी (हिटलर और मुसोलिनी) से प्रेरित हैं और उसी के अनुसार काम करते हैं। भाजपा की अपनी खुद की विचारधारा नहीं है। कांग्रेस ने अपनी विचारधारा ऋषि-मुनियों की परंपरा से ली है। शंकराचार्य हों, गौतम बुद्ध हों, गुरु नानक देव हों, कबीर हों या गुरु घासीदास, हमारे सभी ऋषि-मुनियों ने सत्य की बात की है। उन्होंने आरोप लगाया कि

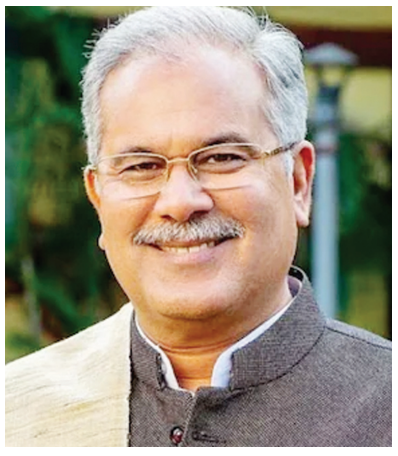

भाजपा की नींव झूठ और धोखाधड़ी पर आधारित है और इसलिए हिटलर और मुसोलिनी इनके आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि एक झूठ को सौ बार दोहराएं और तो वह सच हो जाता है। उसी तरह भाजपा पूरे देश को गुमराह करने और धोखा देने में लिप्त रहे हैं।

चुनाव जीतने के लिए कभी शो पीस नहीं बनूंग: सिद्धू

चंडीगढ़। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि वह चुनाव जीतने के लिए कभी भी 'शो पीस' नहीं बनेंगे और सत्ता में आने के लिए राज्य के लोगों से कभी झूठ नहीं बोलेंगे। क्रिकेट से राजनीति में आए सिद्धू ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी किसी से कोई पद नहीं मांगा है बल्कि हमेशा पंजाब का कल्याण चाहा है। उन्होंने कहा, 'न तो मैंने जीवन में कभी कुछ मांगा है और न ही कभी ऐसा करूंगा। मैंने कभी लोगों से वोट भी नहीं मांगे हैं।' वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि यदि 2022 में कांग्रेस पंजाब विधानसभा चुनाव जीतती है तो क्या उन्हें पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री नामित किया जाएगा। सिद्धू ने कहा, 'जिम्मेदारी आपको बेहतर या कड़वा बनाती है। मुझे कड़वा अनुभव है। पंजाब में मेरी तीन सरकारों को बनाने में भूमिका रही है।

भारत में तेजी से पांव पसार रहा ओमिक्रॉन, आठ राज्यों में फैला

» डब्ल्यूएचओ ने चेताया, डेल्टा वेरिएंट से तेज होगा संक्रमण

» दुनिया के 63 देशों में पहुंच चुका है नया वेरिएंट, भारत में अब तक 38 संक्रमित

गीताश्री

दिल्ली। ओमिक्रान वेरिएंट भारत में तेजी से पांव पसार रहा है। दिल्ली समेत यह अब तक आठ राज्यों में दस्तक दे चुका है। वहीं डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि संक्रमण के मामले में यह डेल्टा वेरिएंट से अधिक खतरनाक हो सकता है। जल्द ही इसका असर पूरी दुनिया में दिखेगा। दुनिया के 63 देशों में यह दस्तक दे चुका है।

भारत के आठ राज्यों में कोरोना के नए

ओमिक्रान वेरिएंट ने दस्तक दे दी है। देश में ओमिक्रॉन से संक्रमित होने वाले लोगों की कुल संख्या अब 38 हो गई है। इनमें सबसे अधिक महाराष्ट्र में हैं जहां कुल 18 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा राजस्थान में नौ, कर्नाटक में तीन, गुजरात में तीन, केरल में एक, आंध्र प्रदेश में एक, दिल्ली में दो और चंडीगढ़ में एक केस मिला है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक अब तक ओमिक्रॉन 63 देशों में फैल चुका है। संक्रमण की रफ्तार को देखने के बाद ऐसा लग रहा है कि कुछ ही समय में यह डेल्टा वेरिएंट को पीछे छोड़ देगा। वहीं ओमिक्रॉन ने महाराष्ट्र के लोगों की चिंता एक बार फिर से बढ़ा दी है। इस नए वेरिएंट से राज्य में अब तक 18 लोग संक्रमित हो चुके हैं। हर बार की तरह इस राज्य में मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, पूरी तरह से टीका लगाया गया एक 20 वर्षीय व्यक्ति , जो अपने रिश्तेदारों से मिलने इटली से चंडीगढ़ आया था, में ओमिक्रॉन वेरिएंट की पुष्टि हुई है। वह व्यक्ति 22 नवंबर को भारत आया था और क्वारंटीन में है।

कर्ज में डूबे पार्षद ने खाया जहरीला पदार्थ

» अस्पताल में भर्ती, बैंक का भी नहीं चुका पा रहे थे लोन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। जिले में कर्ज में डूबे एक पार्षद ने जहरीला पदार्थ खा लिया। पार्षद को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है वह आए दिन हो रहे तगादे से तनाव में थे।

लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के इस्लामाबाद निवासी आसिफ अंसारी वार्ड 71 के पार्षद हैं। उनकी घर के पास ही हलवाई की दुकान हैं। बताया जा रहा है कि पिछले साल उन्होंने दिल्ली में कबाड़ का काम शुरू किया था, जिसमें 35 लाख का नुकसान हो गया। इसके बाद उनपर काफी कर्जा हो गया। बैंक

का लोन न चुका पाने के कारण बैंक के अधिकारी भी वसूली के लिए दबाव बना रहे थे। मकान पर सील लगाने की चेतावनी भी दी जा रही थी। कर्ज न चुका पाने के कारण पार्षद तनाव में आ गए। स्वजन ने बताया कि देर रात उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया। पता चलने पर उन्हें लोकप्रिय अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। सूचना पर लिसाड़ी गेट पुलिस भी पहुंची और मामले की जानकारी ली। आसिफ अंसारी ने निर्दलीय चुनाव जीता था और बाद में सपा में शामिल हो गए।

अनुप्रिया पटेल के बगावती तेवर से लखनऊ से दिल्ली तक हड़कंप, बीजेपी में मंथन शुरू

राजनीति संभावनाओं का खेल, सभी विकल्प खुले इस बयान के बाद डरी भाजपा

» चुनाव से पहले भाजपा के लिए कुर्मी वोट बैंक बना बड़ी मुसीबत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव में दो महीने बचे हैं और भाजपा के लिए अनुप्रिया पटेल ने एक बड़ी परेशानी खड़ी कर दी है। अनुप्रिया पटेल के बगावती तेवर से लखनऊ से दिल्ली तक बीजेपी में हड़कंप मच गया है कि आखिर किस तरह अनुप्रिया की बगावत को रोके। अनुप्रिया भी अगर मौजूदा सरकार से किनारा कर गयी तो बिना कुर्मी वोट बैंक के सत्ता की दौड़ बीजेपी के लिए बहुत मुश्किल हो जाएगी। फिलहाल अनुप्रिया पटेल को लेकर संगठन में मंथन शुरू हो गया है।

दरअसल, चुनाव की आहट के साथ ही नए गठबंधन और समीकरणों का गणित तैयार होने लगा है। ऐसे में अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने एक इंटरव्यू में कहा कि राजनीति संभावनाओं का खेल है, ऐसे में उनके लिए सभी विकल्प खुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह कार्यकर्ताओं से राय ले रही हैं और जो कार्यकर्ताओं के मन में होगा गठबंधन उन्हीं के साथ होगा। हालांकि अनुप्रिया पटेल ने यह भी कहा कि अभी उनकी पार्टी का

गठबंधन बीजेपी के साथ है लेकिन यह भी इशारा कर दिया की उनके सामने दूसरे विकल्प भी खुले हुए हैं। खास बात यह है कि बीजेपी के साथ सीटों की संख्या फाइनल नहीं हुई है। अनुप्रिया पटेल इस बार अपनी पार्टी के लिए बीजेपी से ज्यादा सीटें चाहती हैं। बता दें कि अपना दल के कार्यकारी अध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य आशीष पटेल पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि इस बार पिछली बार से ज्यादा सीटों पर अपना दल चुनाव लड़ेगी। वहीं एक तरफ जहां बीजेपी के लिए अपने पुराने और छोटे सहयोगियों को साथ बनाए रखने की चुनौती है वहीं समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव लगातार छोटी-छोटी पार्टियों से संपर्क साध रहे हैं और उनसे गठबंधन करने की कोशिश कर रहे हैं। पिछड़ी जातियों के लिए जो गोलबंदी अखिलेश यादव कर रहे हैं उससे अनुप्रिया काफी परेशान हैं। अनुप्रिया पटेल मोदी सरकार में राज्यमंत्री हैं। 2014 में उन्हें मंत्री बनाया गया था। 2017 में भाजपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था।

मां अखिलेश के साथ, बेटी बीजेपी संग... अनुप्रिया-कृष्णा पटेल में कौन पड़ेगा भारी?

अपना दल की अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने चुनाव में सपा के साथ मिलकर लड़ने का ऐलान किया है। साथ ही कृष्णा पटेल और अखिलेश संयुक्त रूप से चुनाव प्रचार भी करेंगे। हालांकि सीट शेयरिंग को लेकर अभी तक कोई फॉर्मूला नहीं आया है, लेकिन कृष्णा पटेल ने कहा कि सीटों को लेकर हम दोनों के बीच कोई विवाद नहीं है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अनुप्रिया की मां कृष्णा पटेल की अपना दल से गठबंधन किया है। 2022 के चुनावी रण में एक तरफ कृष्णा पटेल तो विरोधी खेमे में बेटी अनुप्रिया पटेल होंगी। ऐसे में देखना होगा कि मां-बेटी में कौन कितना भारी पड़ता है

सीटें ज्यादा नहीं मिली तो टूट सकता है गठबंधन

चुनाव से पहले गठबंधनों को लेकर जोर आजमाइश हो रही है। अभी तक सबसे ज्यादा दलों का गठबंधन समाजवादी पार्टी के साथ हो चुका है। अखिलेश ने अपना दल कृष्णा गुट के साथ गठबंधन किया है। अनुप्रिया पटेल वाले अपना दल से गठबंधन की चर्चा भी तैर रही हैं। ऐसे में चर्चा है कि भाजपा ने अगर मन के मुताबिक पटेल को सीटें नहीं दी तो गठबंधन टूट सकता है और अनुप्रिया पटेल समाजवादी के साथ मिलकर चुनाव लड़ सकती है।

फोटो: 4पीएम

रैली को लेकर बैठक | लखनऊ। राजधानी के जिमखाना क्लब में आगामी रैली के लिए निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार निषाद ने पीसी की। इस दौरान उन्होंने कहा निषाद समाज को कोई गुमराह नहीं कर सकता। अनर्गल बयानबाजी करना गलत है। बसपा, सपा और कांग्रेस सब मौकापरस्त है।

एमएसपी कानून गारंटी बिल लाएंगे वरुण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कृषि सुधार के कानूनों की वापसी के साथ एमएसपी समेत अन्य मांगों पर सरकार ने प्रदर्शनकारी किसानों को समझाकर भले ही लौटा दिया हो, लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा के सांसद वरुण गांधी ने एमएसपी की कानूनी गारंटी का निजी विधेयक पेश करने का एलान कर सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है।

कृषि कानून विरोधी आंदोलन को लेकर वरुण गांधी लगातार अपनी सरकार पर निशाना साधने से बाज नहीं आए। अब उन्होंने लोकसभा में इसी सप्ताह निजी विधेयक पेश करने की घोषणा कर दी है। वरुण ने ट्वीट कर बताया है कि उन्होंने विधेयक का मसौदा लोकसभा सचिवालय को सौंप दिया है। उन्होंने इसके प्रावधानों पर सुझाव भी मांगा

» इसी सप्ताह निजी विधेयक पेश करने की घोषणा, मसौदा लोकसभा सचिवालय को सौंपा

है। भाजपा सांसद ने अपने ट्वीट में कहा भारत के किसानों और सरकार ने बहुत बार कृषि और उससे जुड़े मुद्दों पर चर्चा की है। लेकिन अब न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाने का समय आ गया है। सरकार द्वारा कृषि कानून की वापसी और एमएसपी पर कमेटी के गठन की घोषणा के बाद भी उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी का मुद्दा उठाया है। वरुण के निजी विधेयक के अहम प्रविधानों में सिर्फ 22 फसलों के ही एमएसपी की कानूनी गारंटी के साथ खरीद की परिकल्पना की गई है। उनके हिसाब से इन फसलों का सालाना वित्तीय परिव्यय एक लाख करोड़ रुपये है। इस सूची में कृषि उत्पादों की जरूरत के आधार पर फसलों को शामिल किया जा सकेगा। एमएसपी का आधार उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत लाभांश होगा। एमएसपी से कम मूल्य पाने वाला किसान गारंटी युक्त एमएसपी के बीच के अंतर के मुआवजे का हकदार होगा।

लक्ष्मीकांत वाजपेयी का बड़ा खुलासा, 20 दिसंबर के बाद भाजपा में शामिल होंगे कई बड़े चेहरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कई बड़े दलों से नाता तोड़ने का मन बना रहे नेताओं को लेकर चर्चाओं के बीच भाजपा में प्रदेश की सदस्यता कमेटी के चेयरमैन लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने एक वार्ता में भाजपा में जल्द कई बड़े चेहरे शामिल होने की तरफ इशारा किया है।

उन्होंने कहा है कि 20 दिसंबर के बाद भाजपा में कई बड़े चेहरे देखने को मिल सकते हैं, सदस्यता अभियान की कड़ी

स्क्रीनिंग की जा रही है ताकि कोई अपराधी पार्टी में न आए। पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि पार्टी में कोई अपराधी शामिल नहीं हो सके, इसलिए सबका पुराना रिकार्ड देखा जा रहा है। किसी को पार्टी का सदस्य बनाए जाते समय उनकी जरूरत को लेकर भी पड़ताल की जा रही है। ऐसा नहीं है कि सदस्यता के लिए भीड़ एकत्र कर लेंगे। जो सीटें भाजपा पिछले चुनाव में हार गई थी, उसमें तीन से 10 हजार तक वोटों का इजाफा करने वालों की सूची बना रहे हैं। साथ ही सर्वस्पर्शी और सर्वग्राही लोगों पर फोकस है।

फोटो: 4पीएम

धरना | लखनऊ के आलमबाग स्थित इको गार्डन में अपनी मांगों को लेकर धरना देती आशाबहू कर्मचारी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।